JAIPUR METRO

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड

खनिज भवन, तिलग मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर – 302015

दूरभाष 0141–5192407

दिनांकः 12.12.2015

प्रेस विज्ञप्ति

जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के गत 2 वर्ष में लिये गये महत्वपूर्ण निर्णय एवं अर्जित उपलब्धियॉं

राज्य सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल में अब तक हुए विकास को प्रदर्शित करने हेतु आयोजित प्रदर्शनी में जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के विगत 2 वर्ष में कियान्वित किये गऐ महत्वपूर्ण निर्णय एवं अर्जित निम्न उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जा रहा हैः

1. मानसरोवर से चाँदपोल तक 9.6 कि.मी. लम्बी जयपुर मेट्रो रेल परियोजना (फेज–1।) के समस्त निर्माण कार्य पूरे कराये जाकर, इस मेट्रो लाईन के संचालन के लिए सुरक्षा प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को भी पूरा कराया गया। परियोजना का निर्माण कार्य परियोजना की मूल लागत सीमा (रू. 2023 करोड़) में ही पूरा कराया गया है।
2. जयपुर मेट्रो रेल परियोजना के फेज 1ए का व्यावसायिक संचालन दिनांक 3 जून 2015 को माननीया मुख्यमंत्री महोदया द्वारा हरी झण्डी दिखाकर प्रारम्भ किया जा चुका है। संचालन के प्रथम 6 माह में 56 लाख यात्रियों ने मेट्रो से यात्रा की है।
3. शहरी विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 27 नवम्बर 2015 को जयपुर मेट्रो रेल परियोजना (फेज 1ए) को बेस्ट अरबन मास ट्रांजिट प्रोजेक्ट केटेगरी में 'commendable emerging initiative' के रूप में विशेष अवार्ड प्रदान किया गया है।
4. परियोजना के फेज– 1बी (चांदपोल से बड़ी चौपड़) के लिए ।क्ठ से 969 करोड़ के ऋण पर 29.05.2014 को अनुबंध हो चुका है। ऋण 30.06.2014 से प्रभावी हो चुका है और इसके पेटे अब तक जयपुर मेट्रो को 100 करोड़ रूपये राजस्थान सरकार के मार्फत उपलब्ध हो गए हैं।
5. 2.4 कि.मी. लम्बी इस भूमिगत मेट्रो लाईन के लिए 700 मीटर की लम्बाई में टनल निर्माण का कार्य किया जा चुका है। टनल निर्माण के साथ ही बड़ी चौपड़ व छोटी चौपड़ भूमिगत स्टेशनों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है।

6. छोटी चौपड व बडी चौपड पर पुरातात्विक रूप से उपयुक्त तरीके से खुदाई की जाकर करीब 150 वर्ष पूर्व जमींदोज हो चुके दो पुराने ऐतिहासिक जलकुण्डों को बाहर निकाला गया है। जयपुर वासियों की इस खोई हुई धरोहर को बहाल करने हेतु चौपडों पर मेट्रो की खुदाई के दौरान अनावृत हुये इन दोनों जलकुण्डो को मेट्रो कार्य पूर्ण होने के उपरान्त उसी स्थान पर मूल स्वरूप में पुर्नस्थापित करने का निश्चय किया गया है।

नवाचार के अंतगत जयपुर मेट्रो ने अपने मण्डप(स्टाल)में :

- ग्रीन एनर्जी मिशन के तहत जयपुर मेट्रो के मानसरोवर डिपो पर 100 झॅच क्षमता के सौलर पावर प्लांट का निर्माण किया गया है तथा इसे ग्रिड से जोड़ने का कार्य चल रहा है। त्महमदमतंजपअम इतांपदह के माध्यम से भी बिजली उत्पन्न की जा रही है और उसे ग्रिड से जोड़ा जाकर उसका ट्रेन संचालन में उपयोग किया जा रहा है।
- शबिजली बचाओ देश बनाओश अभियान के तहत 12800 एलईडी लाईटस् जयपुर मेट्रो के 9 किलोमीटर लम्बे एलीवेटेड मार्ग पर लगाई गई हैं। यह भारत के किसी भी रेलवे नेटवर्क पर बनी सबसे लंबी एलईडी स्काई लाईन है। संचालन के पहले 6 माह में कई अभिनव प्रयोग कर मेट्रो के बिजली खर्च में 25 प्रतिशत तक की कटौती की गई है।
- शडिजीटल इंडियाश मिशन के तहत जयपुर मेट्रो में यात्रियों की सुविधा हेतु स्वचालित टिकिट वेन्डिंग मशीन (टीवीएम) एवं स्मार्ट कार्ड का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में जयपुर मेट्रो के करीब 80 प्रतिशत यात्री टीवीएम का उपयोग कर रहे हैंय और करीब 40 हजार मेट्रो यात्रियों के पास स्मार्ट कार्ड हैं जो मेट्रो स्टेशनों पर एवं घर बैठे कहीं से भी ऑनलाईन वेब रिचार्ज किये जा सकते हैं।
- शबेटी बचाओ बेटी पढाओश मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, जयपुर मेट्रो के श्याम नगर मेट्रो स्टेशन को एक श्महिला शक्ति रेलवे स्टेशनश के रूप में विकसित किया गया है, जहां सभी मेट्रोकर्मी महिलाएँ हैं।
- जयपुर मेट्रो के स्टेशनों पर विशेष योग्यजनों के लिए बाधामुक्त वातावरण निर्मित करने में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए राज्य सरकार ने जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को ''राज्य स्तरीय विशेष योग्यजन पुरस्कार'' प्रदान किया है।

जनसम्पर्क अधिकारी